ये अव्यक्त इशारे

ईच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति का अनुभव करो और कराओ

4-09-2024

जो सर्व प्राप्तियों से तृप्त रहते हैं, उनकी स्थिति इच्छा मात्रम् अविद्या की स्वतः बन जाती है। उनमें कामना के बजाए सामना करने की शक्ति होती है। वे किसी की भी इच्छाओं की पूर्ति कर सकते हैं। अगर स्वयं में ही कोई इच्छा रही होगी तो वह दूसरे की इच्छाओं को पूर्ण नहीं कर सकेंगे।

Experience the stage of being ignorant of the knowledge of desires and give others this experience.

Souls who are satisfied with all attainments automatically have a stage of being ignorant of the knowledge of desires. Instead of having any desires (kaamna), they have power to face (samna) everything. They are able to fulfil anyone's desire. If they themselves have desires, they cannot fulfil the desires of others.